Teamwork
COMMUNICATIONS GROUP

July 14, 2016

जिंदल इंस्टीट्यूट ऑफ बिहेव्यरल साइंसेज ने की प्रिंसिपल की बैठक

जमशेदपुर और आसपास के 80 भागीदारों ने हिस्सा लिया

» कार्यक्रम का मकसद शिक्षकों को प्रभावी शिक्षण दक्षता से लैस करना

जमशेदपुर : एनसीआर स्थित ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी (जेजीयू) की शोध संस्था जिंदल इंस्टीट्यूट ऑफ बिहेव्यरल साइंसेज (जेआईबीएस) ने शिक्षकों को प्रभावी और अभिनव शिक्षण पद्धतियों से लैस करने और उन्हें तकनीकों तथा साधनों में सक्षम करने के लिये बुधवार को प्रिंसिपल की बैठक और शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया ताकि शिक्षण प्रक्रिया में शिक्षकों और छात्रों की सक्रिय भागीदारी बढ़ायी जा सके एवं उन्हें प्रोत्साहित किया जा सके। 'स्कूली शिक्षा में स्कूल प्रमुखों के लिए सर्वश्रेष्ठ शिक्षण कार्यों की पहचान' पर आयोजित चार घंटे का यह दक्षता विकास कार्यक्रम बेल्डिह क्लब में आयोजित किया गया और इसमें जमशेदपुर तथा आसपास के क्षेत्रों में मौजूद स्कूलों के शिक्षकों और प्रिंसिपल्स सहित 80 से अधिक भागीदारों ने हिस्सा लिया।

प्रिंसिपल की बैठक और शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का नेतृत्व डॉ. संजीव पी. साहनी ने किया जो जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी (जेजीयू), सोनीपत में जेआईबीएस के प्रमुख निदेशक, 'सेंटर फॉर इनोवेटिव लीडरशिप एंड चेंज' के निदेशक तथा जेजीयू में वाइस चांसलर के सलाहकार हैं। जेआईबीएस की क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट सुश्री पायल चोकर भी कार्यक्रम की प्रमुख वक्ता थीं।

देश की स्कूली शिक्षा प्रणाली का मूल्यवर्धन के मकसद से जेआईबीएस देशभर के शिक्षकों के साथ मिलकर सक्रियता से काम कर रही है और विभिन्न बच्चों की जरूरतें पूरी करने के ख्याल से उनकी शिक्षण पद्धतियों को मुकम्मल बनाने में मदद के लिए उन्हें अल्पकालीन कोर्सेज मुहैया करा रही है। डॉ. साहनी और उनकी टीम ने हाल ही में भुवनेश्वर में भी शिक्षकों के लिए इसी तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए थे। उन्होंने यूएई के स्कूली शिक्षकों को इसी तरह के सत्रों के साथ जोड़ने के लिए वहां के कई शहरों का भी दौरा किया।

डॉ. संजीव पी. साहनी बताते हैं, स्कूली शिक्षा से बच्चों में शिक्षा की बुनियाद खड़ी होती है। यदि इसे उचित शिक्षण पद्धतियों से मजबूत किया जाए तो बच्चों में यह जिज्ञासु भावना भरने तथा ज्ञान की ललक बढ़ाने में कारगर हो सकती है। लिहाजा स्कूलों में ऐसी शिक्षा पद्धतियों और विकास कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान देना जरूरी हो गया है जो बच्चों में ज्ञानअर्जन की ललक पैदा कर सके और उन्हें निष्क्रिय श्रोता बनाने के बजाय उनके दिमाग को सवाल पूछने के लिए प्रेरित कर सके।

इस मौके पर मौजूद अन्य गणमान्य व्यक्तियों में ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के मानव संसाधन निदेशक जीतू मिश्रा, ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी में मानव संसाधन के सहायक निदेशक सुश्री दीपमाला चैधरी तथा ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी में एडमिशन एवं आउटरीच के डिप्टी मैनेजर पवन सिंह शामिल थे।

जेआईबीएस की ओर से स्कूली शिक्षकों के लिए पाठ्यक्रमों और कार्यक्रमों की श्रृंखला में स्ट्रेस मैनेजमेंट, परफॉर्मेंस विकास, निश्चयात्मक शिक्षण, सकारात्मक मनोविज्ञान, शिक्षण अक्षमताएं, अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर (एडीएचडी), एंगर मैनेजमेंट प्रोग्राम, शरारती बच्चों/किशोरों से निपटना और बच्चों की विकासात्मक जरूरतें : प्रीस्कूल से उच्च शिक्षा तक के लिए।

जेआईबीएस के बारे में

जेआईबीएस मानवता के व्यक्तिगत, सामूहिक, संगठनात्मक और सामाजिक सम्मान और स्वायत्तता के लिए समर्पित ओ. पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी की एक मूल्य आधारित शोध संस्था है और व्यावहारिक तथा प्रायोगिक बिहेव्यरल साइंस से संबंधित निरंतर प्रयोग, शोध एवं ज्ञान के जरिये मानव प्रक्रिया प्रतिस्पर्धाओं की समझ, विकास एवं क्रियान्वयन के लिए प्रतिबद्ध है।